

नमो विष्णवे नमः ॥ १ ॥ सत्त्वानाथ विनि नमः ॥ पुराणानुभादिनम
 यि यत्र विदि नमः दिदानीमममा ॥ २ ॥ मि विला मि
 ॥ ४ ॥ द वमनूष्ठा सत्रज्ञानी नी गिर्यग्न ननक पुर गगनी सखाय
 नि वसु मिस दारु ॥ नकुसिगानि निगु वन यवार ॥ ५ ॥ निनमभा यनि
 गङ्गाका नूथ ॥ विरु सनी प्रगगना नूथ ॥ ६ ॥ निगु वन यवार ॥ ७ ॥ निनमभा यनि
 मि या वन नर क न वयि ॥ ८ ॥ मि या वन नर क न वयि ॥ ९ ॥ निनमभा यनि
 नगवै मौरि का ॥ १० ॥ निनमभा यनि ॥ ११ ॥ निनमभा यनि ॥ १२ ॥ निनमभा यनि

७३२

वीयुन॥६॥स्मनन्नायिरवसियप्रितुष्टकययसिकल्वकिमिगिः
 नदसिधगस्मार्थरगवतूयलहिगदक कर्पमाक नूमा मिहत्रका॥१०॥
 दकिठुनगमपूत्रकलठिनाद्य कण कवधमत्रिचिर्गमासमिभिना
 म्वाङ्गैरवगाधीत्यदलमनन॥११॥ज्जनगुकि कायाइकसिः
 द्विःसिद्धोषविमतिमनुविशुद्धिःसिद्धगियरुम्भीयूत्रवभामुख्य
 सियस्यत्वला कशा॥१२॥थ कत्रवननविलावनहीना विविध्या
 धिमहारयदीनामवयितुष्यपूष्यग्रीनीना विलसंत्यनूती
 गुणग ग्रीना॥१३॥यत्र उवा उगुद उा कि न्यः॥१४॥नियानि

सदाथागिन्यःसत्रगिनगस्यप्रायमद्रयीभायस्यलंठिनः
 रु॥१५॥ल्लिलाकश्चत्रकिप्रियमाणंमूवसिरगवमांमंता
 लीनोभ्यरुमनुदिनमूद्यनयानिर्नाशयगभसमाकत्रवा
 नि॥१६॥षट्पिषयष्टियचक्लमुनसा कनवद्रयायचा
 कूलवय्यानीनैजममरुस्मिंसकलजधत्रनिमिरुत्रम
 नाविकल॥१७॥मल्लसंयमासमलाकैयायिकइःरवसुगर्कि
 रवभायामिससससके॥१८॥भाहाद्वयविनाशन

शाउनगाविविभजतिवदभस्यय

दृढसुसंसा नमदादधिशु॥४॥ ये निरुसुसंसे भेयनवा
 दृष्टा शुभद्वीतविष्णुकननादृष्ट॥५॥ अष्टिगसुगगानरु
 गत्व सुपातिगवदृष्टः विगसनिद्रिगदृष्टयमथमालम्बं
 नीलं रंवात्रया॥६॥ सकलग्राननिकननददृष्टयमरिवलङ्ग
 गनिसुदरुः रगवन्नन्यमकनूषाधु सुज्ज नविगीदिगाकात्र
 वधू॥७॥ लाविदलिनक नक्षविर्गयनिद्रुगविषयव्यासं॥८॥ दि
 व्यधनसंमादिनविर्लम्बयुवकसाधनविर्ल॥९॥ यत्रमूयकूर्चन
 यीकनूषावा सयियत्रिरावनकत्रागिरवान्कधमिरुमादसात्रग

नीषयसमी लाकृगलउष

त्रगदृष्टा॥१२॥ सकलजनार्थयुगीयाकनूषा साकिमिरवमानियनसु
 त्रधमयिनननकसिकल्लषवेरु रावगदयुत्रगामावित्रवन्॥१३॥
 नाथकयागत्रामविष्णाला विवेययधाम्बुदकलक्षणा। धलकालनिष्ठा
 ननवदृष्टः सत्रनिनित्रनत्रमनिष्ठम। ॥१४॥ लकीरुगत्सत्र
 लयत्यर्थयत्यर्थममंननदंजगदकृन्तरुगालयागलकाचल
 वासंजनयकृन्तुसंदंनविविधविलासी॥१५॥ ल्याय्यावलाग्धः
 नसावर्षटियावित्रविगमागुसमाक॥ ॥ नभावुवाय॥ लुगमयि

रहं नमादजसुखायशा पुत्रवन्तम॥ ॐ अ॥ १ हूं वं वुं ऊं द कं हूं स्वाहा ॥ अरि
 विविं दु स्वाहा ॥ ऊं धा हि ऊं तमा एत स्वापिता ॥ सर्वं गथा गता ॥ गथा हं सना पीता ॥
 स नापयिष्यामि ॥ उर्ध्वदिव्यं नवानीना ॥ ॐ अ॥ १ सर्वं गथा गता ॥ अरिषकस
 मयल हं ॥ शोभनसदाया ॥ ॐ ह्रीं स्वाहा ॥ नासियथा ॐ कायविभाधनः
 स्वाहा ॥ नादागसिय ॥ ॐ नमो रगव गेप्यका पुनाजाय ॥ गथा गता ये रुके
 समं कं वृद्धायशा नय ॥ ॐ पृथ १ मदापथाः सपथाः पृथसं सथाः पृथावकि न
 (नस्वाहा ॥ यथा रात जाय ॥ ॐ अ॥ १ हूं शानि वजासने स्वाहा ॥ कपानक पृथि
 पृथिगिय कावः ॥ अस नयाया ॥ ॐ सर्वपापानप नय हं ॥ अवरा वनि

मोद मा सा ह

नं ॥ ॐ मणि धनि वरा वनि सखे सर्वं गथा गता अरि विविं न लु साहा ॥
 ॐ वज्र निव क विजुख न्य स्वाहा ॥ चित न गिया ॥ ॐ चला क विमय स्वाहा ॥
 ॐ वज्र (मायय स्वाहा ॥ ॐ वज्र नखे सखे हं ॥ दानं (गमय मं व ना वः चस
 दिगं समा १ जिवनं जानि कड वय पि पि पि का पन यनः वीर्य की रु स्वाप
 नः धा नं ग क नम क चि लः क न न प ह्नाः सखे कजा य ना पाल म नाः खद
 वज्र रग क स्वाः म निम गु लं सर्व गु क न क वनः सर्व आ मे विमर्ग १ स्रम न
 ऊ वि व व व वि गि का निः धन क न क स म प्र द्विः जाय ते गा ऊ व स स्र ग

वक्रः गुरुस्मिं कायकमानकृत्वा स नरवसर्वतथा गताधिपानविधिः
साहा ॥ ॐ मन्त्रादिधिर्गुरुविमलधर्यकागदिचरुविजसंजगमला उतः वा
अग्निजना रवः निमलपयिसू काचमचूमस्य सिंहासनपदमचन्द्र
वज्रसत्त्वदिपुत्रं कवः स्रुवर्णः वज्रवज्रध्वजा धनैः विचित्रा रजनः
मित्रवता का रथानः सूर्यका नकः ॥ लाजकं वं द्रं चाद्या पत्तनार्य
पतिस्तुला ॥ ॐ रुद्रमलमधमनवनम ॥ ॐ श्रीमधमनवनम ॥ ॐ स
हस्रमधमनवनम ॥ मध्या ॥ ॐ यैर्पुर्वविदलायनम ॥ कवने ॥ ॐ ॐ जं
तादिवा पायनम ॥ खवस ॥ ॐ जं जव चला वा विप्रायनम ॥ पवने

ॐ वंडर्लकूरयनम ॥ ऊवस ॥ ॐ यः उपदिपायनम ॥ ऊव काथकनस
ॐ लः उपदिपायनम ॥ खव काथकन ॥ ॐ वः उपदिपायनम ॥ खव प
कोना ॥ ॐ वः उपदिपायनम ॥ ऊव थ कन ॥ ॐ यः गजवलायनम ॥ ऊ
वस ॥ ॐ वः पूनसनायनम ॥ कवने ॥ ॐ लः अथवलायनम ॥ खवस ॥
ॐ वः स्त्रीवलायनम ॥ पवने ॥ ॐ यः खव वलायनम ॥ ऊव थ का
नस ॥ ॐ लाः वलवलायनम ॥ खव काथकोना ॥ ॐ वा सवनीयन
नम ॥ खव पवथकोना ॥ ॐ वं वं लायनम ॥ पवने ॥ ॐ मसूर्यायनम ॥

म श्रयान् स पापि श्रया॥ द म सा म स श्रया॥ ७ धन गी॥ छि धनमा
सा न न्न सी धम मरु श्रया॥ ८ री धन गी॥ छि धनमा
ति श्रया॥ ९ री धन गी॥ छि धनमा
गुरु श्रया॥ १० री धन गी॥ छि धनमा
पात्रा॥ ११ री धन गी॥ छि धनमा
छा री धन गी॥ छि धनमा
॥ १२ री धन गी॥ छि धनमा
॥ १३ री धन गी॥ छि धनमा
॥ १४ री धन गी॥ छि धनमा
॥ १५ री धन गी॥ छि धनमा
॥ १६ री धन गी॥ छि धनमा
॥ १७ री धन गी॥ छि धनमा
॥ १८ री धन गी॥ छि धनमा
॥ १९ री धन गी॥ छि धनमा
॥ २० री धन गी॥ छि धनमा

४.०० सक्तनास धन नाह धन नाव सु जात ॥ **स.००** मान दय धन नाह अन ठ
 व सु जात ॥ **५.००** मिषा स्याय ल्याय मा नी सक्त हय ल्याय मा नी धन नास हाय स
 संष दन ॥ **न.००** मिषा स्याय धन हानी का कल स्याय हाय स संष दन ॥ **६.००** ४
 सुत कय धन नाह सक्त नास अस व क ॥ **७.००** मित्र नाह धन नाह विद्या व
 क मान दय सक्त स ना सन स शुष शय ॥ **८.००** सक्त हय धन हानि मान हि
 न सक्त हय तुमि स्याय हाय स संष दन ॥ **९.००** ना क हय सु स वान मन म द
 उ का थ सा दन ॥ **१०.००** धन हानि सक्त हय ना जाया हय उ का थ सा दन ॥ **११.००**
 सक्त नास धन नाह मान दय व सु जात ॥ **१२.००** सक्त हय ना गि कय न ग ॥

का स्याय उ का थ सा दन ॥ **१३.००** नायन कय सक्त हय पूत या क दिय
 मिषा स्याय सु द पाव दन ॥ **१४.००** सक्त नास अस व क धन नाह धन नाह नाना
 व सु दय ॥ **१५.००** ना क हय सु स वान मन म द मि व ल्याय मालि सक्त हय दख
 क सक्त हय धान कय धान कय कय ॥ **१६.००** नायन कय सक्त हय धन हानि रु
 य धान कय का कल स्याय अग्नि हय सु द पाव दन ॥ **१७.००** जान स्याय पत स्याय
 धन हानी हय दय सा दन ॥ **१८.००** एक कय रू सक्त प कय ॥ धन हानी जान
 स्याय नृ न स्याय धन ॥ **१९.००** ना क मान दय सक्त कय न परु य धन ना
 हा ॥ **२०.००** धान दय कश्चि न दय सक्त हय धन हानी सक्त हय उ का थ सा दन ॥

१.२५ कनरुशयः सुखानमनमदः लूकाना **६.२५** धननाह वसुनाह लव
 नाह शुर्वधूनाह **७.२५** जनासः काकाकिं जां वलायमालि लूकाना **८.२५** धन
 नाह धमनाह असवन्तः शुर्वधूनाह **९.२५** कनरुशयः पावसाय ॥ १० ॥ काकान
 ॥ **११.२५** धननाह मानदयः **१२.२५** आवाव लायमालि नागिरुयः गिरुन लाय
 मालि लूकाना **१३.२५** धननाह मरुनाह मनसः शुषरुयः **१४.२५** मिषासाय जाय
 साय धनहानि नूकाना **१५.२५** सुकनास धननाह सुनिरुयः मानदयः येनाम
 सा **१६.२५** मिषनाह शुषदयः विद्यावन्तः धननाह असनाह शुर्वधूनाह **१७.२५**
 धननाह वन्तः नाह सुकनास **१८.२५** धननाह धनहानि कनरु तच्छुर्क
 नाह नन ॥

१९.२५ मानदयः धनदयः शुर्वधूनाह **२०.२५** नागिरुयः तुमिषाषान कवाचरुयः
 ककापादान **२१.२५** नानवायः वनसमदः सनासरुयः लूके कापादान **२२.२५**
 नाह किदिदयः करुयः अथनाह **२३.२५** सुकननजयवपा कनरुशः दशुनीस
 पा **२४.२५** सुसशुसणलशयः अननाह वगनाह हिदसः **२५.२५** धनाहानि ना
 जतयः लूकनाय नानावन्तः हानि पाथयाय **२६.२५** मानदयः धर्मनाह सुवनाह
२७.२५ सुवन्तः धनहानि कनरुजाय सायः पिरुवन्तः नाना **२८.२५** धननाह पूत
 नाह धर्मनाह वन्तः नाह शुर्वधूदयः **२९.२५** पूयाहयः धनहानि लायमानि ना कन
 यः तच्छुपिगवन्तः लूकाना **३०.२५** वन्तः नाह शुर्वधूनाह सुमनाह **३१.२५** वन्तः नाह

धन नरु कसर्वक ॥ **ह. सु.** सुमिनाह धन नार सुकुनास ॥ **व. सु.** ही नार धन नार
 सुकुनास ॥ **प. सु.** सुकुनास धन नार मानदय ॥ **प. सु.** नागिरुय सुकुतय कथुस
 नादाना ॥ **स. सु.** गी वल्लायमावी इषरुय कनरु सुरुपतिदाना ॥ **म. सु.** धन नारु
 सवन रुदिरुय धर्म नार ॥ **न. सु.** धर्म नार कसर्वक धन नारिदय ॥ **द. सु.** धन नार
 निमहिषादनमावी सुकुतय सजाकन ॥ **च. सु.** नाकमान धन नार सुकुनास ॥ **का. सु.**
 सुतशय धन नार सुकुनास धर्म नार ॥ **न. ग.** सुतापतमनरुय रुमवनमष्याय
 रुकनलरुवा ॥ **इ. ग.** सुषमपिय सलिस अनास मनसकाय रुय धन नानी धुके
 सा मासदाना ॥ **ह. ग.** सना किसिम्यस नानावमुनाह सुकुनास ॥ **व. ग.** कलरु आ वाव
 यथियाय

ल्हायमावी नृगनस वायदय कनपातदाना ॥ **प. ग.** विवादरुय धन नानि पूत वविना
 धरुय कथुसादाना ॥ **प. ग.** सुकुनास कसर्वक धन नार मानदय ॥ **स. ग.** सुसवानम
 नीमह धन नानि गगलेवल्लायमावी पातस्थाय पाथयाया ॥ **ज. ग.** रुगवानडपायम
 इ कायव आ वावल्लायमाली द्या नरुय रुगिषय सनिअ रास रुय कथुसादाना ॥
न. ग. धन नानि सुकुतय काय आ यपाकदियरुव पातस्थाय कसिदाना ॥ **द. ग.** च
 मल्लानि विद्याल्लानि धन नानि केसेदय कषु धर्मदाना ॥ **च. ग.** धन नार सुकुनास कस
 र्वक ॥ **का. ग.** कनरु ना कतय मिषास्थाय रुगिषय सुकुतय सास कथुसादाना ॥ **न.**
 काय सुवानमनमह सुकुतय धन नानि प्रायन कय पातादाना ॥ **इ. ग.** सुकुतय ध